पाक्षिक समाचार

सम्पर्क

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

खण्ड–XXX अंक–17 15 सितम्बर, 2025

सम प्रकास तम पाख दुहुँ नाम भेद बिधि कीन्ह।
ससि सोषक पोषक समुझि जग जस अपजस दीन्ह।।

महीने के दोनों पखवाड़ों में उजियाला और अंधेरा समान ही रहता है, परन्तु विधाता ने इनके नाम में भेद कर दिया है (एक का नाम शुक्ल और दूसरे का नाम कृष्ण रख दिया)। एक को चन्द्रमा का बढ़ाने वाला और दूसरे को उसका घटाने वाला समझकर जगत ने एक को सुयश और दूसरे को अपयश दे दिया ।। **श्रीरामचरितमानस 7/ख**

निदेशक की नई टीम

अध्यक्षों/सह–अध्यक्षों की नियुक्तियाँ

कुलसचिव कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/AREG/4(3)/2025/441268 दिनांक 29.08.2024 के अनुसार संस्थान की समस्त गतिविधियों के सुचारू रूप से संचालन के लिए निदेशक महोदय ने विभिन्न विभागों/केंद्रो/स्कूलों के अध्यक्षों एवं सह अध्यक्षों के रूप में निम्नानुसार संकाय सदस्यों की नियुक्ति/विस्तार किया है:–

विभागाध्यक्ष

क्रम.सं.	विभाग	नाम	अवधि (तक)	अभियुक्तियॉं
1	अनुप्रयुक्त यांत्रिकी	प्रो. सावन सुमन सिन्हा	31.08.2027	**नव नियुक्तियाँ**
2	वस्त्र एवं रेशा इंजीनियरी	प्रो. दीप्ति गुप्ता	31.08.2027	
3	जैव रासायनिक इंजीनियरी एवं जैव प्रौद्योगिकी	प्रो. प्रीति श्रीवास्तव	31.08.2027	
4	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान	प्रो. अभिजीत बनर्जी	31.08.2027	
5	गणित	प्रो. मणि मेहरा	31.08.2027	
6	ऊर्जा विज्ञान एवं इंजीनियरी	प्रो. रमेश नारायणन	31.08.2027	
7	रासायनिक इंजीनियरी	प्रो. अनुराग एस. राठौड	31.08.2026	**पहले से अधिसूचित**
8	रसायन विज्ञान	प्रो. सेल्वाराजन नागेंद्रन	31.08.2026	
9	विद्युत इंजीनियरी	प्रो. शंकर प्रक्रिया	31.08.2026	
10	प्रबंधन अध्ययन	प्रो. एस.पी. सिंह	31.08.2026	
11	भौतिकी	प्रो. सुजीत चौधरी	31.08.2026	
12	पदार्थ विज्ञान एवं इंजीनियरी	प्रो. जयंत जैन	31.08.2026	
13	यांत्रिक इंजीनियरी	प्रो. पी.एम.वी. सुब्बाराव	31.08.2026	
14	कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी	प्रो. नवीन गर्ग	31.08.2026	
15	डिजाइन	प्रो. ज्योति कुमार	05.05.2026	
16	सिविल एवं पर्यावरणीय इंजीनियर	प्रो. वसंत ए. मतसागर	21.01.2026	

केन्द्राध्यक्ष

क्रम.सं.	केन्द्र	नाम	अवधि (तक)	अभियुक्तियाँ
1.	परिवहन अनुसंधान एवं चोट निवारण केन्द्र	प्रो. गिरीश अग्रवाल	31.08.2027	**नव नियुक्तियाँ**
2.	कम्प्यूटर सेवा केन्द्र	प्रो. स्मृति रंजन सारंगी (CSE)	31.08.2027	
3.	वायुमंडलीय विज्ञान (CAS)	प्रो. साग्निक डे	31.08.2027	
4.	प्रकाशिकी एवं फोटोनिक्स (OPC)	प्रो. केदार खरे	31.08.2027	
5.	सेंसर, इंस्ट्रूमेंटेशन और साइबर–भौतिक प्रणाली इंजीनियरिंग (SeNSE)	प्रो. केदार खरे (OPC)	31.08.2027	
6.	शैक्षिक प्रौद्योगिकी सेवा (ETSC)	प्रो. सौरभ बी. पॉल (HUSS)	31.08.2027	**पहले से अधिसूचित**
7.	अनुप्रयुक्त इलैक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान (CARE)	प्रो. समरेश दास	31.08.2026	
8.	जैव चिकित्सा इंजीनियरी	प्रो. नीतू सिंह	30.11.2025	
9.	इंजीनियरी में मूल्य शिक्षा का राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र	प्रो. कनिका टी. भाल (DMS)	31.10.2025	
10.	ग्रामीण विकास एवं प्रौद्योगिकी (CRDT)	प्रो. विवेक कुमार	31.08.2026	**एक वर्ष का विस्तार**
11.	आटोमोटिव अनुसंधान एवं ट्राइबोलोजी केन्द्र (CART)	प्रो. दीपक कुमार	31.09.2025	**एक माह का विस्तार**

स्कूल के अध्यक्ष

क्रम.सं.	स्कूल	नाम	अवधि (तक)	अभियुक्तियाँ
1.	भारती दूरसंचार प्रौद्योगिकी	प्रो. हजूर शरन कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी	01.03.2026	**पहले से अधिसूचित**
2.	सार्वजनिक नीति (SOPP)	प्रो. सुमा अत्रेय	31.08.2026	
3.	कुसुमा जैव विज्ञान (KSBS)	प्रो. विवेकानन्दन पेरूमल	31.08.2026	
4.	अन्तरविद्याशाखायी अनुसंधान (SIRe)	प्रो. बी. प्रेमचन्द्रन यांत्रिक इंजीनियरी	31.12.2026	
5.	यार्डी कृत्रिम बौद्धिकता (YSCAI)	प्रो. पराग सिंगला कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी	31.08.2026	**एक वर्ष का विस्तार**
6.	अमरनाथ एवं शशि खोसला सूचना प्रौद्योगिकी (ANSKSIT)	प्रो. श्रीकांत बेदाथुर जगन्नाथ कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी	31.08.2025	

एकक एवं उनके अध्यक्ष/सह अध्यक्ष

क्रम.सं.	एकक	नाम	अवधि (तक)	अभियुक्तियाँ
1	अध्यक्ष, केन्द्रीय अनुसंधान सुविधाएँ (CRF)	प्रो. मणिदीपा बैनर्जी कुसुमा जैव विज्ञान	31.08.2027	**नव नियुक्ति**
2	प्रोफेसर प्रभारी करियर सेवाएं कार्यालय	प्रो. नरेश वी. दातला यांत्रिक इंजीनियरी	31.05.2026	**पहले से अधिसूचित**

3.	सह–प्रोफेसर प्रभारी करियर सेवाएं कार्यालय	प्रो. सुरेश नीलकांतन पदार्थ विज्ञान एवं इंजीनियरी	31.05.2026	
4.	अध्यक्ष, नैना अनुसंधान सुविधाएं (NRF)	प्रो. वामसी के. कोमराला ऊर्जा विज्ञान एवं इंजीनियरी	30.04.2027	
5.	अध्यक्ष, केन्द्रीय कार्यशाला	प्रो. सुनील झा यांत्रिक इंजीनियरी	31.08.2026	
6.	अध्यक्ष, क्यू.आई.पी. एवं सी.ई.पी., टी.ई.क्यू.आई.पी / ओ.सी.डी.सी.	प्रो. मानव भटनागर विद्युत इंजीनियरी	31.08.2026	**एक वर्ष का विस्तार**
7.	सह–अध्यक्ष, क्यू.आई.पी. तथा सी.ई.पी., टी.ई.क्यू.आई.पी. / ओ.सी.डी.सी.	प्रो. मनोजकुमार सी. रामटेके रासायनिक इंजीनियरी	31.08.2026	
8.	अध्यक्ष, हिन्दी कक्ष	डॉ. नीरज चौरसिया केन्द्रीय पुस्तकालय	31.08.2026	

स्वागत

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2025/445165 दिनांक 11.09.2025 के अनुसार **प्रो. विमल कौल** ने 08.09.2025 से संस्थान के वायुमण्डलीय विज्ञान केन्द्र में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-12 में सहायक प्रोफेसर, ग्रेड-I के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. विमल कौल को उनकी नियुक्ति के तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2025/442750 दिनांक 03.09.2025 के अनुसार **प्रो. अमित नैन** ने 01.09.2025 से संस्थान के कुसुमा जैव विज्ञान स्कूल में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-12 में सहायक प्रोफेसर, ग्रेड-I के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. अमित नैन को उनकी नियुक्ति के तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2025/442698 दिनांक 03.09.2025 के अनुसार **प्रो. पीयूष कुमार** ने 01.09.2025 से संस्थान के कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-12 में सहायक प्रोफेसर, ग्रेड-I के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. पीयूष कुमार को उनकी नियुक्ति के तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2025/441457 दिनांक 01.09.2025 के अनुसार **प्रो. ज्योतिर्मय बेहरा** ने 25.08.2025 से संस्थान के कुसुमा जैव प्रौद्योगिकी स्कूल में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-11 में सहायक प्रोफेसर, ग्रेड-II के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. ज्योतिर्मय बेहरा को उनकी नियुक्ति के तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2025/440863 दिनांक 29.08.2025 के अनुसार **डॉ. व्योम शर्मा** ने 25.08.2025 से संस्थान के मानविकी एवं समाज विज्ञान विभाग मे अंग्रेजी भाषा अनुदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग-II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/ Estt.-2/2025/443991 दिनांक 08.09.2025 के अनुसार **श्री अजय कुमार मीणा** ने 20.08.2025 से संस्थान में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–5 में कनिष्ठ सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। उन्हें तत्काल प्रभाव से कम्प्यूटर विज्ञान एवं इजीनियरी विभाग में नियुक्त किया गया है।

त्यागपत्र स्वीकृत

स्थापना अनुभाग–1 से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/2025/437983 दिनांक 21.08.2025 के अनुसार **डॉ. अभिमन्यु, पोस्ट–डॉक्टरल फेलो** (सिविल इंजीनियरी विभाग) ने अपने पद से त्यागपत्र का अनुरोध किया था, जिसे सक्षम प्राधिकारी ने 21.08.2025 से स्वीकार कर लिया है। अतः डॉ. अभिमन्यु को 21.08.2025 से संस्थान कार्य से मुक्त कर दिया गया हैं।

भारतीय भाषाओं से सशक्त होती हिंदी

प्रो. लैला करुण्यकरा

हिंदी ने राष्ट्रीय एकता का मार्ग तो प्रशस्त किया ही है, उसे यह भी बोध रहा है कि राष्ट्रीय एकता की रक्षा प्रादेशिक भाषाओं के पूर्ण विकास से ही संभव है।

रवींद्रनाथ टैगोर ने कहा था, 'भारतीय भाषाएं नदियां हैं और हिंदी महानदी।' उन्होंने यह इसलिए कहा था, क्योंकि उन्हें हिंदी के महत्व का बोध था। हिंदी स्वतंत्रता संग्राम के समय स्वाधीनता सेनानियों के बीच संपर्क का प्रमुख माध्यम रही। हिंदी विविधता में एकता का सूत्र है और वह देश के बड़े हिस्से में अधिकांश लोगों द्वारा सबसे अधिक बोली–समझी जाती है। हिंदी देश के सामाजिक, राजनीतिक, सांप्रदायिक एवं भाषाई समन्वय और सौहार्द का प्रतीक है। भारतीय भाषाओं और हिंदी के संबंध की दृष्टि से संविधान का अनुच्छेद 351 अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिसमें अपेक्षा की गई है, संघ हिंदी को इस प्रकार विकसित करेगा कि वह देश की मिली–जुली संस्कृति को अभिव्यक्त कर सके। संघ से यह भी अपेक्षा है कि जहां तक संभव हो, भारतीय भाषाओं के शब्द, मुहावरे, लोकोक्तियों से हिंदी को समृद्ध किया जाए। हिंदी विभिन्न भाषाओं के प्रचलित शब्दों को अपने में समाहित करके सही मायनों में भारत की संपर्क भाषा होने की भूमिका निभा रही है। हिंदी ने तेलुगु से कुचीपुड़ी और मोरम शब्दों को ग्रहण किया तो तमिल से पिल्ला और पंडाल जैसे शब्द अपनाए। इसी तरह चाल (छोटा कमरा) मलयालम का शब्द है। छाता बांग्ला का शब्द और हड़ताल गुजराती का है। ये शब्द हिंदी में खूब प्रचलित हैं। हिंदी में श्री, श्रीमती, राष्ट्रपति, मुद्रास्फीति जैसे शब्द मूलतः मराठीभाषी बाबूराव विष्णु पराड़कर के चलाए हुए हैं।

कोई भाषा तभी नीर भरी नदी बनती है जब वह दूसरी भाषाओं से स्रोत ग्रहण करे। इससे वह समृद्ध भी बनती है। हिंदी समेत कई भाषाओं में एक मुहावरा है–तू डाल–डाल, मैं पात–पात। तेलुगु में भी यह मुहावरा है। उसका हिंदी अनुवाद होगा–तू मेघ मेघ, मैं तारा–तारा। ऐसे मुहावरों के चलन से हिंदी और सशक्त होगी। हिंदी को पूरे देश में राजभाषा के रूप में पूरी तरह स्वीकार्यता तभी मिलेगी, जब हम सभी स्थानीय भाषाओं को भी सम्मान देंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीय भाषाओं में शिक्षा पर बल दिया गया है। मातृभाषा की उन्नति के बिना किसी भी समाज की उन्नति संभव नहीं है। भाषा राजकीय उत्सवों से नहीं, बल्कि जन सरोकारों और लोक परंपराओं से समृद्ध होती है। हिंदी की सबसे बड़ी शक्ति इसकी वैज्ञानिकता, मौलिकता, सरलता और स्वीकार्यता है। हिंदी की विशेषता है कि इसमें जो बोला जाता है, वही लिखा जाता है। हिंदी सर्वसुलभ और सहज ग्रहणीय भाषा है। उसका स्वरूप समावेशी है और लिपि देवनागरी विश्व की सबसे पुरानी एवं वैज्ञानिक लिपियों में से एक है। हिंदी आधुनिक भी है और पुरातन भी। हिंदी के ये गुण ही उसे मात्र एक भाषा के स्तर से ऊपर एक संस्कृति होने का सम्मान दिलाते हैं। राजभाषा हिंदी के माध्यम से देश की जनता की सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक अपेक्षाओं को पूरा करने वाली योजनाओं को आखिरी सिरे तक पहुंचाना सरकारी तंत्र का प्रमुख कर्तव्य है और उसकी सफलता की कसौटी भी। यदि हम चाहते हैं कि हमारा लोकतंत्र निरंतर प्रगतिशील रहे और अधिक सशक्त बने तो हमें संघ के कामकाज में हिंदी और राज्यों के कामकाज में उनकी प्रांतीय भाषाओं का प्रयोग करना होगा। हिंदी को उसके वर्तमान स्वरूप तक पहुंचाने में सभी प्रदेशों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भारत की सभी भाषाएं समृद्ध हैं। उनका अपना साहित्य, शब्दावली, अभिव्यक्ति एवं मुहावरे हैं। इन सभी भाषाओं में भारतीयता की एक आंतरिक शक्ति भी है।

हिंदी की सेवा अनेक हिंदीतर भाषियों ने भी की है। केरल के प्रथम हिंदी प्रचारक मलयालम भाषी एम.के. दामोदरन उण्णि थे। मलयालम भाषी जी. गोपीनाथन, दंद्रहासन, एन चंद्रशेखरन नायर, एन.ई. विश्वनाथ अय्यर और के.सी. अजय कुमार की हिंदी सेवा को हम भूल नहीं सकते। इसी कड़ी में सुब्रह्मण्य भारती, सुमति अय्यर और पी. जयरामन जैसे तमिलभाषियों, बीवी कारंत और नारायण दत्त जैसे कन्नड़भाषियों, मोटूरि सत्यनारायण, भीमसेन निर्मल, बाल शौरि रेड्डी और यार्लगड् लक्ष्मी प्रसाद जैसे तेलुगुभाषियों ने भी हिंदी की जो सेवा की उसे याद रखना चाहिए। अनेक मराठीभाषियों जैसे सखाराम गणेश देउस्कर, लक्ष्मण नारायण गर्दे, माधव राव सप्रे, बाबूराव विष्णु पराड़कर, प्रभाकर माचवे, चंद्रकांत वांडिवडेकर, राहुल बारपुते ने हिंदी की अनन्य सेवा की। राजा राममोहन राय, श्याम सुंदर सेन, अमृतलाल चक्रवर्ती, चिंतामणि घोष, क्षितिंद्र मोहन मित्र, शारदा चरण मित्र, रामानंद चट्टोपाध्याय, ईश्वरचंद्र विद्यासागर, नलिनी मोहन सान्याल, सुनीति कुमार और रवींद्रनाथ टैगोर जैसे बांग्लाभाषियों ने भी हिंदी की खूब सेवा की। टैगोर ने तो विश्वभारती में हिंदी भवन की स्थापना कर हजारी प्रसाद द्विवेदी को हिंदी शिक्षक नियुक्त किया। महात्मा गांधी ने हिंदी को भारतीय चिंतन–धारा का स्वाभाविक विकास क्रम माना था। हिंदी भाषा का प्रश्न उनके लिए स्वराज्य का प्रश्न था। हिंदी का महत्व हमारे संविधान निर्माताओं ने प्रारंभ में ही स्वीकार किया और उसकी सर्वग्राह्यता को ध्यान में रखते हुए ही संविधान सभा ने 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकार किया।

हिंदी ने राष्ट्रीय एकता का मार्ग तो प्रशस्त किया ही, उसे यह भी बोध रहा है कि देश का विकास और राष्ट्रीय एकता की रक्षा प्रादेशिक भाषाओं के पूर्ण विकास से ही संभव है। सहयोग–सहकार के लक्ष्य की प्राप्ति हिंदी के माध्यम से ही संभव होती रही है। विविधता और बहुभाषिकता भारत की विशेषता है। विभिन्न भाषाओं के साथ हिंदी का सहज संबंध विकसित हुआ है। हिंदी और भारतीय भाषाओं का पारस्परिक विनिमय संगठित एवं योजनाबद्ध तरीके से बढ़ाने की आवश्यकता है। हिंदी और भारतीय भाषाओं के बीच पारस्परिक साझेदारी विकसित होने पर देशवासियों के बीच तालमेल बेहतर होगा। हमें हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी और भारतीय भाषाओं के बीच सुगम संबंध की समझ के विकास का संकल्प लेना होगा। इसके साथ ही हिंदी और भारतीय भाषाओं के बीच अन्योन्याश्रित संबंध का संधान करना होगा। हिंदीतर भाषाओं के साथ हिंदी की भाषिक और अर्थपरक समझ का विकास होने पर अखिल भारतीय बोध का विस्तार होगा।

साभार–दैनिक जागरण
दिनांक 14.9.2023

हिन्दी कक्ष द्वारा सम्पादित एवं प्रकाशित दूरभाषः EPABX 7144

मुद्रकः सागर प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, नई दिल्ली। ई–मेलः sagarprinters@gmail.com